

M. L. K. P. G. COLLEGE,

BALRAMPUR, 271201,

INDIA

EVENT REPORT

1. **Title of Event** : Recent Advances in Multifunctional Materials

2. **Nature of Event** : National Seminar

3. Date & Duration : 17 & 18 December, 2022
4. Organizing Department : Department of Physics

5. Name of Resource Persons

(a) Dr. Praveen Chandra Pandey (IIT Varanasi)

(b) Dr. A. K. Pathak (ECC Prayagraj)

(c) Prof. Prabhakar Singh (IIT Varanasi)

(d) Prof. B. C. Yadav (Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow)

(e) Dr. Chandrashekhar Pati Tripathi (Department of Physics, BHU)

(f) Dr. Vikas Kumar Singh (DRDO, New Delhi)

(g) Dr. Anchal Srivastava (Department of Physics, BHU)

(h) Prof. Sanjay Srivastava (Department of Physics, BHU)

(i) Prof. Sunil Mishra (Department of Physics, BHU)

(j) Prof. K. B. Thapa (Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow)

(k) Prof. Umesh Yadav (DDU, Gorakhpur)

6. Number of Participants : 160

7. **Summary of the Event** : Two days National Seminar was organized by the Department of Physics, M. L. K. P. G. College, Balrampur. As per the schedule, the Seminar Began with the Saraswati Vandana and welcome song. Seminar was presided over by Prof. Prabhakar Singh. Welcome address was given by Prof. J. P. Pandey, the Principal of the college. A short address about the "Multifunctional Materials" was given by Prof. A. K. Dwivedi. Keynote Address was given by Prof. B. C. Yadav. He defined the multifunctional materials and also highlighted their present utilization and immense technological possibilities in future. The Presidential address was given by Prof. Prabhakar Singh (IIT Varanasi). He explained the way multifunctional materials would shape the coming future.

In this order the speakers Dr. Praveen Chandra Pandey, Dr. A. K. Pathak, Prof. Prabhakar Singh, Prof. B. C. Yadav, Dr. Chandrashekhar Pati Tripathi, Dr. Vikas Kumar Singh, Dr. Anchal Srivastava, Prof. Sanjay Srivastava, Prof. Sunil Mishra, Prof. K. B. Thapa and Prof. Umesh Yadav gave their talks.

Every speaker presented their talk with present achievement and future possibilities with the multifunctional materials. They emphasized how technological advancement related to the multifunctional materials could

help us in the field of environment protection, defence, medicine, communication and in many more emerging fields. Every Lecture was very thought provoking and fruitful for students and delegates came from different parts of the country.

Seminar ended with the vote of thanks by Dr. Aok Shukla. He also emphasized the importance of the seminar for the enhancement of a conducive environment for the research and innovation in the college campus.

8. Brochure of National Seminar







Glimpse of the Seminar:





(i)

शोध को बढ़ावा देने पर बल

एमएलके कालेज में हुई संगोष्ठी में 10 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल

संवादसूत्र, वलरामपुर : महारानी लाल कुंबरि महाविद्यालय में भौतिकी विभाग की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। संगोछी में वक्ताओं ने रीसेंट एडवांसेज इन मल्टीफंक्शनल मटेरियल्स विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का मख्य अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्त सिद्धार्थनगर के कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव, कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. प्रभाकर सिंह, सचिव प्रबंध समिति लेफ्टिनेंट कर्नल आरके मोहंता. प्रो. बीसी यादव, प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय, संयोजक प्रो. अरविंद द्विवेदी व आयोजन सचिव हा. आलोक शक्ल ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके शुभारंभ किया। इसके बाद महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती बंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि मुझे गर्व होता है कि यह महाविद्यालय हमारे विश्वविद्यालय का अंग है। ऐसे आयोजन युवा वैज्ञानिकों के साथ-साथ शोध छात्रों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम एडेस दिया। प्राचार्य ने अतिथियों अध्यक्ष आइटीआइ बनारस के प्रो. प्रभाकर सिंह ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के भी सेमिनार का आयोजन करेगी।



एमएलके महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कार्यक्रम अध्यक्ष प्रोफेसर प्रभाकर सिंह 🌘 जाग्ररण



एमएलके महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मौजुद शिक्षक व छात्र 🍨 जागरण

प्रबंध समिति सचिव ने भौतिकी विभाग सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए शोध को बढावा देने पर बल दिया। डा. भीमराव आंब्रेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. बालचंद्र यादव ने कीनोट का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के उपलब्धियों की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। संयोजक व विभागाध्यक्ष भौतिकी प्रो. अरविंद द्विवेदी ने सेमिनार के उद्देश्य पर

प्रकाश हाला। मुख्य नियंता प्रो. पीके सिंह, मंजीता यादव, हा. हेमा व कमलेश चौरसिया ने सभी का स्वागत किया। संचालन महाविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट हा. देवेंद्र कमार चौहान ने किया। इस दौरान अतिथियों ने सोविनियर का विमोचन किया। देश के करीब 10 राज्यों के प्रतिनिधि, महाविद्यालय के शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। रविवार को संगोष्टी का समापन होगा।

Dainik Jagaran (Date: 18-12-2022)

एमएलके कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का समापन



लोहिया कान्ति संवाददाता

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के एम एल के पी जी कॉलेज सभागार में भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन रविवार को हुआ। संगोष्ठी में वक्ताओं ने रीसेंट एडवांसेज इन मल्टीफंक्शनल मटेरियल्स विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। जानकारी के अनसार 18 दिसंबर को राष्ट्रीय संगोष्टी के समापन समारोह की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रोफेसर सुग्रीव नाथ त्रिपाठी ने की । उन्होंने समारोह में उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये प्रोफेसर व शोध छात्रों को

संबोधित करते हुए कहा कि बहुआयामी पदार्थों की ग्रहणशीलता का उपयोग करके दैनिक जीवन में आ रही बीमारियों को आसानी से जाना जा सकता है। साथ ही यदि समय रहते ही बीमारियों के कारणों की जानकारी हो जाती है तो इससे बचाव भी किया जा सकता है। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर जे पी पाण्डेय ने दो दिनों तक चलने वाले संगोष्टी में बाहर से आये हुए अतिथियों ,प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी लोग 21 वीं शताब्दी के प्रगति पर हैं । हमने बहुआयामी पदार्थों को काफी हद तक जाना और उपयोग भी किया है।अभी भी बहुत संभावनाएं है कि हम सभी बहुआयामी पदार्थी का उपयोग करके आने वाली पीढ़ी को और बेहतर बना सकते हैं। इस दौरान प्राचार्य,मुख्य नियंता प्रो0 पी के सिंह व संयोजक प्रो0 अरविंद द्विवेदी ने कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो० सुग्रीव नाथ त्रिपाठी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सेमिनार के निष्कर्ष की रूपरेखा कमलेश कुमार चौरसिया ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ आलोक शुक्ल ने किया। इसके पूर्व टेक्निकल सत्र में बीएचयू के प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव व संजय श्रीवास्तव, डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के वी थापा व सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रो0 देवेश कुमार आदि ने सेमिनार के विषय पर अपने विचार व्यक्त

किए। इस बीच महाविद्यालय के पूर्व शोध छात्र फरहान पाशा ने

किया। इस अवसर पर एलबीएस डिग्री कॉलेज गोण्डा के प्राचार्य प्रो० आस्ट्रेलिया से ऑनलाइन पेपर प्रस्तुत आर के पाण्डेय,पो0 तबस्सुम

फरखी,प्रो० एस पी मिश्र,प्रो० वीणा सिंह सहित देश के विभिन्न प्रान्तों से आये डेलीगेट्स व महाविद्यालय के

डमिलिया बाल मैत्री गांव के रूप में होगा विकसित महिला, बुजुर्ग और बच्चों को ध्यान में रखकर कराए जाएंगे काम

उर्छ/जालीन। जालीन की डकोर ब्लाक की ग्राम पंचायत इमिलिया को 'बाल मैत्री' गांव के रुप में विकसित किया जाएगा। यहां महिला और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए काम किया जाएगा। इसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षा विभाग केअधिकारी, पंचायती राज विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर उनका सहयोग लिया जाएगा। उनके विभाग से जुड़े कर्मियों के सहयोग से गांव में महिला, बच्चों और बुजुर्गों के लिए ऐसे काम किए जाएंगे जो मॉडल के रुप में जाने जाएंगे। जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार पौत्स्यायन बताते है कि जिलाधिकारी चांदनी सिंह ने इमिलिया गांव को बालमैत्री गांव के रुप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। बाल मैत्री गांव होता है, जहां नियमित ग्राम बाल संरक्षण समिति की बैठकें आयोजित की जाती है और बच्चों व महिलाओं से संबंधित समस्त बिंदुओं पर उक्त समिति में समीक्षा की जाती है। इस समिति का प्रमुख गांव का प्रधान होता है। जबकि सदस्य सचिव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता होती है। इसके सदस्य के रुप में आशा, एएनएम, प्राइमरी स्कल के प्रधानाध्यापक के साथ इसी गांव के दो बच्चे नामित किए जाते हैं। जिसका एक रजिस्टर भी बनाया जाता है। हर बैठक की कार्यवित्त अंकित की जाती है और समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का उपस्थित होना अनिवार्य होता है। इस समिति का काम बच्चों के विकास के लिए जरूरी चीजों की सतत निगरानी करना होता है। साथ ही समय समय पर बच्चों को बैठाकर उनकी राय जानते हुए उनकी रुचि केअनुकूल गांव के विकास में उनके योगदान पर भी मंथन किया जाता है। उन्होंने बताया कि बाल संरक्षण समिति के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वह नियमित अंतराल पर बैठकों का आयोजन करें। इसमें सफाई कर्मचारी को भीबुलाया जाए। आंगनबाड़ी केंद्र और स्कूल परिसर के आसपास की नियमित संपाई व पौधरोपण पर भी ध्यान दिया जाए ताकि गांव का पर्यावरण संतुलित हो और बच्चों को उन पौधों के माध्यम से उनकी उपयोगिता बताई जा सके। सभी ब्लाकों में एक गांव बनेगा बाल मैत्री फ्लिहाल इमिलिया गांव को मॉडल के रुप में चुना गया है। धीरे धीरे जिले के सभी नौ ब्लाकों में हर ब्लाक के एक एक गांव को बाल मैत्री के रुप में विकसित किया जाएगा। ताकि प्रदेश स्तर पर जालौन बाल मैत्री गांव के रुप में जाना जा सके।जिला कार्यक्रम अधिकारी इपतेखार अहमद ने बताया कि ग्राम बाल संरक्षण समिति कीसदस्य सचिव के रूप में नामित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देशित किया गयाहै कि वह बाल मैत्री गांवकेमानक पर नियमिति कार्य करें और गांव को सारी योजनाओं से संतुप्त करते हुए जल्द से जल्द गांव कोबाल मैत्री गांव

कबड़ी में जीआईसी व वालीबाल में भागवत विजेता

बांदा। सिमौनी गांव स्थित मौनी बाबा धाम में रविवार को कबड़ी और वॉलीबॉल के फड़नल मैच खेले गए। कबड़ी का पहनल मैच राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) बांदा ने जीता। उसने गोयरा मुगली टीम को 36-28 के अंतर से हराया। उधर, वॉलीबॉल के फइनल में भागवत प्रसाद एकेडमी ने बांदा की टीम को 25-20 व 25-23 अंकों के अंतर से पराजित कर दिया। ऋीड़ाधिकारी शैलेंद्र कुशवाहा ने दोनों खेलों की विजेता और उप विजेता टीमों और आकर्षक प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

Dainik Jagran (Date: 1-12-2022)